

## प्रीलिमिंस फ़ैक्ट्स: 25 सितंबर 2018

### हॉर्नबलि की रक्षा हेतु सर्टिज़न साइंस पहल

हाल ही में हॉर्नबलि के संरक्षण के लिये मूल्यवान इनपुट प्रदान करने हेतु भारतीय हॉर्नबलि का दस्तावेज़ीकरण करने के लिये सर्टिज़न साइंस पहल की शुरुआत की गई है।

- सर्टिज़न साइंस, आँकड़े इकट्ठा करने के लिये भागीदारी हेतु एक सामूहिक, सार्वजनिक प्रयास है जिसमें लोग घर से वजिज़न की प्रगतिके लिये अपना स्वैच्छकिक योगदान करते हैं।
- सर्टिज़न साइंस प्रथा की नमिनलखिति चार आम वशिषताएँ हैं:
- इसमें कोई भी भागीदारी नभिा सकता है।
- सभी भागीदार समान प्रोटोकॉल और वधिका प्रयोग करते हैं ताकआँकड़ों को संयोजति कयिा जा सके और उनकी गुणवत्ता भी बरकरार रह सके।
- सही आँकड़े वैज्जानिकों को सही नषिकर्ष तक पहुँचने में मदद कर सकते हैं।
- वैज्जानिकों और स्वयंसेवकों का व्यापक समूह एक साथ काम करता है और इकट्ठा कयिे गए आँकड़ों को वैज्जानिकों तथा आम लोगों के साथ साझा करता है।
- संरक्षति कषेत्रों के बाहर हॉर्नबलि की उपस्थतिके आँकड़े उनके नविास स्थान की पहचान करने और वकिस परयिोजनाओं तथा संभावति खतरों से उनकी रक्षा करने में महत्वपूर्ण साबति होंगे।
- लोग कसिी जीवति हॉर्नबलि के अवलोकन को दर्ज कर सकते हैं, कसिी मृत, शकिकार कयिे गए या बंदी पकषी की सूचना भी दे सकते हैं।
- भारत में हॉर्नबलि की नौ प्रजातयिँ हैं जनिमें से चार पश्चिमी घाट पर पाई जाती हैं- भारतीय ग्रे हॉर्नबलि (भारत का स्थानकिक), मालाबार ग्रे हॉर्नबलि (पश्चिमी घाट का स्थानकिक), मालाबार पाइड हॉर्नबलि (भारत व श्रीलंका का स्थानकिक) और व्यापक रूप से पाया जाने वाला ग्रेट हॉर्नबलि (अरुणाचल प्रदेश और केरल का राजकीय पकषी)।
- बहुत कम या फरि संकटग्रस्त प्रजातयिँ जैसे करिफस-नेकड हॉर्नबलि, ऑस्टेन की ब्राउन हॉर्नबलि, जसिमें ग्रेट हॉर्नबलि भी शामिल है, उत्तर-पूर्वी भारत के कई राज्यों में पाई जाती हैं।
- भारत में एक ऐसी प्रजातयिँ भी है जसिकी संख्या बहुत कम है- लुप्तप्राय नर्कोन्डम हॉर्नबलि जो केवल नर्कोन्डम द्वीप (अंडमान द्वीप समूह का हसिा) पर पाई जाती है।

### बैलसिटिक मसिाइल रक्षा प्रणाली का सफल रात्रकिलीन परीक्षण

- रक्षा अनुसंधान एवं वकिस संगठन (डीआरडीओ) ने दो स्तरों वाली बैलसिटिक मसिाइल रक्षा (बीएमडी) प्रणाली का सफल रात्रकिलीन परीक्षण कर लिया है।
- बीएमडी में दो इंटरसेप्टर मसिाइलें- एकसो-एटमोस्फयिरिक दूरयिँ के लिये पृथ्वी डफिंस वहीकल (PDV) और एंडो-एटमोस्फयिरिक या कम ऊँचाई के लिये एडवांस एरयिा डफिंस (AAD) मसिाइल होती हैं।
- एकसो-एटमोस्फयिरिक मसिाइल प्रणाली 50-80 कमी की ऊँचाई पर मसिाइलों को इंटरसेप्ट करने में सकषम है जबकिएंडो-एटमोस्फयिरिक प्रणाली 30 कमी की ऊँचाई तक मसिाइलों को इंटरसेप्ट करने में सकषम है।
- अमेरिका, रूस, इज़राइल और चीन के बाद मज़बूत बैलसिटिक मसिाइल रक्षा प्रणाली से लैश भारत दुनयिा का पाँचवाँ राष्ट्र है।

### क्या है बैलसिटिक मसिाइल रक्षा प्रणाली?

- बैलसिटिक मसिाइल रक्षा कार्यक्रम का लक्ष्य पृथ्वी के वायुमंडलीय कषेत्र के बाहर या अंदर दोनों दशिाओं से आने वाली दुशमन की बैलसिटिक तथा न्यूक्लियर मसिाइलों के खलिाफ प्रभावी मसिाइल कवच प्रदान करना है।
- दुशमन के मसिाइल को बूसट पॉइंट (प्रकषेपण), बीच में (आकाश में उड़ान), या टर्मनिल फेज़ (वायुमंडलीय ढलान के दौरान) पर ही इंटरसेप्ट करने की आवश्यकता होती है।
- बीएमडी दो-स्तरीय, पूरी तरह से स्वचालति प्रणाली है, जसिमें नमिनलखिति वशिषताएँ शामिल हैं:
- प्रारंभकिक चेतावनी और ट्रैकगि रडार का व्यापक नेटवर्क।
- वशि्वसनीय कमांड और कंट्रोल पोस्ट।
- उन्नत इंटरसेप्टर मसिाइलों की भूमि और समुद्र-आधारति बैटरी।

## वीर सुरेंद्र साई हवाई अड्डा तथा पाक्योंग हवाई अड्डा

हाल ही में ओडिशा के झारसुगुड़ा में वीर सुरेंद्र साई तथा सक्किमि में पाक्योंग हवाई अड्डे का उद्घाटन किया गया।

### वीर सुरेंद्र साई हवाई अड्डा

- यह ओडिशा का दूसरा हवाई अड्डा है।
- इस हवाई अड्डे का नाम स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साई के नाम पर रखा गया है।
- झारसुगुड़ा हवाई अड्डे को ओडिशा सरकार के सहयोग से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा विकसित किया गया है।
- इस हवाई अड्डे का विकास केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत किया गया है।

### पाक्योंग हवाई अड्डा

- यह राज्य का पहला और देश का 100वाँ हवाई अड्डा है।
- यह आम आदमी के लिये उपयोगी बन सके यह सुनिश्चित करने के लिये इस हवाई अड्डे को उड़ान योजना का हिस्सा बनाया गया है।
- यह समुद्र तल से 4500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है।
- यह भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है।
- यह हवाई अड्डा भारत-चीन सीमा से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिये यह रणनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। भारतीय वायु सेना लैंडिंग करने और उड़ान भरने के लिये इस हवाई अड्डे का भी उपयोग कर सकती है।
- यह हवाई अड्डा शेष भारत के साथ सक्किमि की कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा। सक्किमि में पर्यटन क्षेत्र का विकास होगा। नए हवाई अड्डे के कारण पर्यटकों के लिये सक्किमि पहुँचना आसान होगा।
- इस हवाई अड्डे की आधारशिला वर्ष 2009 में रखी गई थी।

### साइबर टरीविया एप

- सरकार ने 'ब्लू व्हेल' और 'मोमो चैलेंज' जैसे खतरनाक खेलों के कारण बच्चों के खिलाफ होने वाली साइबर घटनाओं का सामना करने के लिये बच्चों के लिये 'साइबर-टरीविया' एप लॉन्च किया है।
- इस एप में बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे और बच्चों को उनके उत्तरों के आधार पर अंक दिये जाएंगे।
- यह बच्चों को मनोरंजन के माध्यम से यह सिखाने का प्रयास है यदि उनसे इंटरनेट पर किसी अजनबी द्वारा संपर्क किया जाता है और उन्हें अपनी तस्वीरों को भेजने या अन्य चीजों को करने के लिये कहा जा सकता है, तो उन्हें क्या करना चाहिये।
- इस एप को साइबर पीस फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (National Commission for Protection of Child Rights -NCPDR) के सहयोग से विकसित किया गया है।
- साइबर पीस फाउंडेशन एक गैर-राजनीतिक नागरिक समाज संगठन तथा साइबर सुरक्षा और नीति विशेषज्ञों का थकैट है।

### जीवन सुगमता सूचकांक में आंध्र प्रदेश शीर्ष पर

- आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी जीवन सुगमता सूचकांक (Ease of Living Index) के अनुसार, सुवर्धाजनक तथा आसान जीवन-यापन के दृष्टिकोण से आंध्र प्रदेश सबसे अच्छा राज्य है।
- जीवन सुगमता सूचकांक में आंध्र प्रदेश ने शीर्ष रैंकिंग हासिल की है तथा ओडिशा और मध्य प्रदेश ने इस सूचकांक में क्रमशः दूसरा तथा तीसरा स्थान हासिल किया है।
- अटल शहरी पुनर्जीवन और परिवर्तन मिशन (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation- AMRUT) के तहत तीन राज्यों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य का दर्जा दिया गया है।
- आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने 13 अगस्त, 2018 को पहली बार जीवन सुगमता सूचकांक जारी किया था जिसके अंतर्गत 111 भारतीय शहरों को शामिल किया गया था और इस सूचकांक में पुणे ने शीर्ष स्थान हासिल किया था।
- सभी शहरों का आकलन 100 अंकों के आधार पर किया गया था।

### जीवन सुगमता सूचकांक के बारे में

- जीवन सुगमता सूचकांक आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की पहल है, जिसके ज़रिये शहरों में बसने वाले लोगों के जीवन को आसान बनाने का प्रयास किया गया है।
- इस सूचकांक में किसी शहर का आकलन चार प्रमुख मानकों के आधार पर किया जाता है, जिसमें संस्थागत प्रबंधन, सामाजिक और आर्थिक स्थिति तथा बुनियादी ढाँचे की स्थिति शामिल है। इन चार मानकों को आगे 15 उपश्रेणियों और 78 संकेतों में वर्गीकृत किया गया है।

### टपिश्वर वन्यजीव अभयारण्य

क्षेत्रफल में बहुत छोटा होने के बावजूद यह तेज़ी से बाघ संरक्षण और बाघ पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है।

- टपलशुवर वन्यजीव अभयारण्य महाराष्ट्र के यवतमाल ज़ललें में स्थतल है ।
- अभयारण्य में बाघ देखे जाने की उच्च घटनाओं ने वन्यजीवों के प्रतलउत्साही लोगों के बीच इस जगह को लोकप्रयल बना दयल है ।
- पूरणा, कृष्णा, भीमा और तापूती जैसी नदयलँ इस अभयारण्य को सचलतल करती हैं । इन सभी नदयलँ से जल प्राप्त करने के कारण इसे दकषणल महाराष्ट्र में स्थतल ग्रीन ओएससल (Green Oasis) के रूप में भी जाना जाता है ।

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-25-september-2018>

